पाठ 18. बीरबल की हाज़िरजवाबी

पाठ का परिचय

इस पाठ का कथानक चतुर बीरबल की हाज़िरजवाबी पर आधारित है। बीरबल की बुद्धिमत्ता एवं हाज़िरजवाबी से बादशाह अकबर बहुत प्रभावित रहते थे। इस कारण अन्य दरबारी बीरबल से ईर्ष्या करने लगे थे। एक बार जब बीरबल दरबार में अनुपस्थित थे तो अन्य दरबारियों ने बादशाह अकबर के कान भरने शुरू किए कि यदि उन्हें अवसर मिले तो वे भी बीरबल जैसी बुद्धिमत्ता दिखा सकते हैं। उन लोगों के बहुत कहने पर अकबर ने उनकी बात मान ली तथा बीरबल को एक सप्ताह के लिए छुट्टी देकर उनके स्थान पर सबसे अधिक उम्र वाले और स्वयं को विद्वान समझने वाले मौलाना दरबारी को नियुक्त कर दिया। धीरे-धीरे दिन व्यतीत होने लगे। एक दिन अकबर ने मौलाना जी को बुलाया और कहा कि महल के पीछे से अजीब आवाज़ें आ रही हैं, उनका कारण पता लगाइए।

मौलाना जी देखने गए और लौटकर बताया कि कुतिया ने बच्चे दिए हैं, उनकी आवाज़ें हैं। बादशाह ने पूछा कि कितने बच्चे हैं तो मौलाना जी फिर देखने गए और लौटकर बताया कि पाँच बच्चे हैं। बादशाह ने फिर पूछा कि उनमें नर और मादा कितने हैं तो मौलाना जी को फिर से देखने जाना पड़ा। वे लौटकर आए तो अकबर ने बच्चों के रंग के बारे में पूछा और एक बार फिर मौलाना जी को देखकर आना पड़ा।

अब उन्होंने बीरबल को बुलाया और कहा कि महल के पीछे से आ रही आवाज़ों का कारण पता करें। लौटकर बीरबल ने बताया कि कुतिया और उसके बच्चों की आवाज़ें हैं। कुतिया ने पाँच बच्चे दिए हैं, दो नर तीन मादा, जिनमें से एक नर काला-सफ़ेद, दूसरा बादामी है तथा मादा दो काली और एक बादामी है। बीरबल एक ही बार देखकर पूरी जानकारी लेकर आए थे। अकबर को बीरबल पर गर्व हुआ तथा मौलाना सहित अन्य दरबारियों के सिर झुक गए।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

मनुष्य को अपने आस-पास के परिवेश के प्रति पूर्णत: सजग रहना चाहिए। चीज़ों को देखकर अनदेखा करने की लापरवाही से बचना चाहिए। किसी से ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए।

पाठ का वाचन

पाठ को कक्षा में पढ़ने से पहले बच्चों को कथा संक्षेप में सुना दें। उसके बाद हाव-भाव सहित पाठ का वाचन करें। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। बच्चों को पाठ को संवाद-शैली में लिखने को कहें। संवाद-शैली में लिखने के बाद बच्चे उसे कक्षा में शुद्ध उच्चारणसहित अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत करें। संवादों का वाचन सहज व उचित उतार-चढ़ाव के साथ हो, इस बात का ध्यान रखें।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्नों पर आधारित चर्चा बच्चों से करें –

- बीरबल का चरित्र तुम्हें कैसा लगा?
- क्या तुम समझते हो कि हमें ईर्ष्या करनी चाहिए?
- जागरूक रहने से क्या होता है?
- सजग रहने वाले लोग जीवन में सफल क्यों होते हैं?